पी.जी.डी.टी.-001

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

00900

पी.जी.डी.टी. - 001 : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

---

1. अनुवाद का अर्थ एवं परिभाषा बताते हुए अनुवाद के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

पाश्चात्य वाङ्मय में अनुवाद की परंपरा की विस्तृत चर्चा कीजिए।

2. अनुवाद की प्रक्रिया में पुनरीक्षण, मूल्यांकन और समीक्षा में अंतर स्पष्ट कीजिए। **20**

अथवा

'अनुवाद अंशतः विज्ञान है, अंशतः कला तथा अंशतः शिल्प' – आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

3. **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **2x10=20**

(क) अनुवाद के उपकरण

(ख) मशीनी अनुवाद

(ग) अनुवादक के गुण और दायित्व

(घ) साहित्य का अनुवाद

4. निम्नलिखित लोकोक्तियों/मुहावरों के हिन्दी समतुल्य लिखिए : 5x2=10

(क) As proud as Lucifier

(ख) To keep one's eye open

(ग) Once in a blue moon

(घ) To make the pot boiled

(ङ) Empty vessels make much noise

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 10

(क) भाषा और साहित्य के विकास में __________ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

(ख) अंग्रेजी और फ्रांसीसी __________ भाषाएँ हैं।

(ग) महाकवि कालिदास के प्रसिद्ध नाटक __________ का अनुवाद विलियम जोंस ने किया।

(घ) भारत में संविधान सम्मत भाषाओं की संख्या __________ है।

(ङ) साहित्य का अनुवाद एक निरंतर चलने वाली __________ है।

अथवा

निम्नलिखित शब्दों को कोशक्रम में लिखिए :

departure	पतंग
demon	पत्र
dogmatic	पत्राचार
drag	प्याला
disappear	पंगु
downfall	पारंगत
dazzle	पीताम्बर
disaster	परीक्षा
drama	प्रांत
demolish	प्रश्न

6. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

A critical edition of any work only gives us a reliable text which might prove to exist at a particular time. In the case of the Ramayana, which we are discussing, a text is now available that might have existed even in the 5th Century A.D. But the re-construction of a reliable text does not mean that whatever this text contains is true, either at that time or at any time in the past. What Valmiki created was a heroic poem, and this poem went on being inflated from time to time, incorporating at least some features of that time. When this heroic poem was created, mythical things characters and events - were introduced into the story. This inflation has not stopped as I will have occasion to point out later. It is going on before our very eyes.

अथवा

Watching stunningly beautiful birds, making a splash on the water, chirping and foraging for food, in pleasant natural environment is fast catching up.

The capital's growing interest in birds was evident on February 24, when scores of people set out with binoculars to count and gaze at these feathered friends, as part of an event called Big Bird Day. A total of 222 species were spotted. Adding to the birders' delight was the first-ever bird out at Garhi Mandu, one of Delhi's new forest on the left bank of the Yamuna in north east Delhi which found 90 species, including 26 migratory species and many threatened ones.

Dr. Sudhir Oswal, a naturalist and avid birder, says. "In the last 5-6 years, there has been an increase in bird watching groups in the city, with youngsters taking interest.

7. निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 10

समकालीन अभिलेखों में ब्याज पर ऋण लेने-देने के बहुत ज्यादा और रोचक उल्लेख प्राप्त होते हैं। व्यापार के विस्तार के कारण ऋण और पूंजी-निवेश की आवश्यकता भी अधिक बढ़ गई थी। ऋण लिखित रूप में दिए जाते थे। रुक्का या प्रोनोट के माध्यम से उधार लेने के पर्याप्त सदंर्भ प्राप्त होते हैं। इन रुक्कों में ब्याज की दर का स्पष्ट उल्लेख होता था। ब्याज पर उधार देने की व्यवस्था इतनी प्रचलित थी कि समकालीन दक्षिण भारत के मंदिर भी इसका अपवाद नहीं थे। पुण्य अर्जित करने की कामना करने वाले लोग भी मंदिर व्यवस्था के लिए ब्याज पर धन लगा देते थे। इस प्रकार के ब्याज से अर्जित आय द्वारा मंदिर की व्यवस्था चलती रहती थी। मंदिरों की व्यवस्था के लिए देय ब्याज की दर प्राय: साढ़े बारह से पंद्रह प्रतिशत वार्षिक होती थी। परन्तु संपूर्ण दक्षिण भारत में आवश्यकता और व्यापारिक साख के आधार पर ब्याज की विभिन्न दरें प्रचलित थीं। इस संदर्भ में हमें साढ़े बारह प्रतिशत से 15 प्रतिशत वार्षिक तय की ब्याज दरों का उल्लेख प्राप्त होता है। खेतों के लिए ऋण लिया जाता था। परन्तु इसके मूलधन और ब्याज दोनों की अदायगी अनाज या जिंस के रूप में की जा सकती थी।

अथवा

भारत में मुसलमानों के आगमन के पश्चात् भारतीय और अरबी संस्कृति से टकराव से जब दोनों संस्कृतियाँ एक-दूसरे के निकट आईं तो एक-दूसरे की भाषा समझना अनिवार्य होता था। मुसलमान भारत में बस गए और दोनों जातियाँ एक-दूसरे को समझने लगीं। अरबी भाषा के पश्चात् भारत में फारसी का बोलबाला होने लगा। इस प्रकार भारत में बोली और लिखी जाने वाली भाषाओं में अरबी और फारसी भाषाओं के शब्दों का प्रवेश हुआ। फारसी से हिंदी एवं संस्कृत में तथा हिंदी और संस्कृत से

फारसी में अनुवाद होने लगे। इन्हीं अनुवादों के द्वारा दो संस्कृतियों के टकराव से ऐसा भाषा रूप विकसित हुआ, जो आगे चलकर उर्दू के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इस उर्दू भाषा में फारसी शब्दों की भरमार थी। आरंभिक उर्दू और हिंदी में इतना ही अंतर है कि उर्दू में फारसी शब्दों का और हिंदी में तत्सम शब्दों का बाहुल्य है। धीरे-धीरे उर्दू और हिंदी दोनों अलग-अलग भाषाओं के रूप में विकसित हुई। दोनों भी अपनी-अपनी साहित्यिक महत्वता स्थापित हुई।

इस बीच भारत का संपर्क यूरोपीय संस्कृति से हुआ। सोलहवीं शताब्दी में अनेक यूरोपीय देशों ने भारत के साथ व्यापार शुरू किया और यहाँ अपने उपनिवेश कायम किए। **फलस्वरूप हिंदी भाषा अंग्रजी, फ्रांसीसी, पुर्तगाली आदि भाषाओं से प्रभावित हुई और उसमें उन भाषाओं के शब्दों का प्रचलन बढ़ा।**